8. मुद्राराक्षसम् नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए–

(अ) आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ् गनानां
सद्यः पाति प्रणयिहृदयं विप्रयोगे रुणाद्धि।

(ब) न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय
प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः॥

(स) रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।
स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु।

9. मृच्छकटिकम् नाटकानुसार किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए–

(अ) मुमूर्षुर्यो भवति न स खलु जीवति।

(ब) रत्न रत्नेन संगच्छते।

(स) बलवता सह को विरोधः ?

(द) वरं व्यायच्छतो मृत्युर्ने गृहीतस्य बन्धने।

खण्ड–स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. मेघदूतम् में प्रोक्त मेघमार्ग के आधार पर भारत के भूगोल की समीक्षा कीजिए।

11. नाट्य किसे कहते हैं ? संस्कृत रूपक की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12. मृच्छकटिकम् के आधार पर विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

13. मुद्राराक्षसम् नाटक में पंचसन्धि सन्निवेश विषय पर एक लेख लिखिए।

MASA–02

December – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(ललित साहित्य एवं नाटक)

Paper : MASA-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) वैदर्भी रीति किसे कहते हैं ?

(ii) वल्लभदेव की टीका मेघदूत में कुल कितने श्लोक हैं ?

(iii) नाट्क को रूपक क्यों कहा जाता है ?

(iv) नागानन्द नाटक का नायक कौन है ?

(v) राक्षस के गुप्तचर का नाम लिखिए।

(vi) "छादिता शरदभ्रेण चन्द्रलेखेव भासते" यह वाक्य किसने किसके लिए कहा है ?

(vii) मृछच्कटिकम् के किस अंक का क्या नाम व्यवहार है ?

(viii) भर्तृहरि के शतकत्रय कौनसे हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए—

(अ) त्वामारुढं पवनपदवीमुद्गृहीताकान्ताः,
प्रेक्षिष्यन्ते पथिक वनिताः प्रत्ययादाश्वसत्याः।
कः सन्नद्धे विरहविधुरां त्वय्युपेक्षेत जायां,
न स्यादन्योऽप्यहमिव जने यः पराधीनवृत्तिः॥

अथवा

(ब) गत्वा चोर्ध्वं दशमुखभुजोच्छ्वासितप्रस्थसन्धेः,
कैलासस्य त्रिदशवनितादर्पणस्यातिथिः स्याः।
शृडगोच्छ्रायैः कुमुदविशदैर्यो वितत्य स्थितः खम्,
राशीभूतः प्रतिदिनमिव त्र्यम्वकस्याट्टहासः॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए—

(अ) मेघो जलार्द्रमहिषोदरभृङ्गनीलो।
विद्युत्प्रभारचित पीत पटोत्तरीयः।

आभाति संहतबलाकगृहीतशङ् खः
खं केशवोऽपर इवाक्रमितु प्रवृत्तः॥

अथवा

(ब) शब्दायन्ते मधुरमनिलैः कीचकाः पूर्यमार्णाः,
संरक्ताभिस्त्रिपुरविजयो गीयते किन्नरीभिः।
निर्ह्रादस्ते मुरज इव चेत् कन्दरेषु ध्वनिः स्यात्,
संगीतार्थो ननु पशुपतेस्तत्र भावी समग्रः॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए—

(अ) पितृन्पुत्राः पुत्रान्परवदभिहिंसन्ति पितरो
यदर्थं सोहार्दं सुहृदि च विमुञ्चन्ति सुहृदः।
प्रियं भोक्तुं तद्यो व्यसनमिव सद्यो व्यवसितः
कृतोथोऽयं सोऽर्थस्तव सति वणिक्त्वेऽपि वणिजः॥

अथवा

(ब) उदयति हि शशाङ्कः कामिनीगण्डपाण्डु
र्ग्रहगण-परिवारो राजमार्गप्रदीपः।
तिमिर-निकरमध्ये रश्मयो यस्य गौराः
स्रुतजल इव पङ्के क्षीरधाराः पतन्ति॥

5. मुक्तक एवं प्रबन्ध गीतिकाव्य में क्या अन्तर है ?

6. विशाखदत्त के काल पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7. मृच्छकटिकम् के द्वितीय अंक द्यूतकर-संवाहक का संक्षिप्त विवेचन दीजिए।